

समाजसेवी बोधराज सीकरी से मिली बच्चों को संस्कारों और उपहारों की सौगात

नये भारत का अखबार



गुड़गाव मैल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

ब्लूरो/गुड़गाव मेल

गुड़गाव, १ अप्रैल। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुलगाम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं।

बोधराज सीकरी का मन गदद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं।



इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साधियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का

नाम अग्रणी हैं। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भौति निर्वाह कर रहे हैं।

अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता

है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कपियाँ बाँटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफॉर्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगीनी श्रीमती ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

अंधेराम तापमान 24.06* » चूनतम तापमान 14.00* » सूखोदय 6.07 » सर्वांत 18.36 »

ओलट 82.18 » बुले 89.33 »

छोटीबड़ीबात

आज ही के दिन 125 ले ईस्ट ब्रिक्स ट्रेन के नेशनल एक्स्प्रेस के लिए नेपाल में एक कैरेन्स इंजीनियर के लिए रुपयोगी प्रक्रिया कर दिया था।



dainikbhaskar.com

बैंग का विषयसंलीय उम्भवार

दैनिक भास्कर



नंगल | ज्ञ-07, अम-252 नोएल 02 अप्रिल 2025 | कुल पृष्ठ 16 | कुल 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देल्हीनाल से प्रकाशित

स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगत

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गङ्गा द्वारा नहीं बढ़ाया जाता है, बल्कि उनकी उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा जाता है। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक



भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कपियां बांटी।

उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान

पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगीनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।



ਪੰਜਾਬ ਕੇਸਾਰੀ

ਈ-ਪੇਪਰ

EDITIONS ▼

Gurgaon
Kesari

ਬੋਧ ਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਦੀ ਆਹਵਾਨ ਪਰ ਬਚਿਆਂ ਨੇ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਕਾ ਪਢਾ ਪਾਠ

ਗੁਡਗਾਂਵ, 1 ਅਪ੍ਰੈਲ (ਬ੍ਰਾਂਚ): ਆਜ ਨੀਲਕਠ ਸਕੂਲ ਅੰਬੋਡਕਰ ਨਗਰ ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਕੀ ਸੰਧੇਜਿਕਾ ਡਾਕਟਰ ਵੀਨਾ ਅਰੋਡਾ ਨੇ ਜਾਨੇ ਮਾਨੇ ਸਮਾਜਸੇਵੀ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਕੀ ਅਪਨੇ ਸਕੂਲ ਮੈਂ ਬਤੌਰ ਮੁਖਾਂ ਅਤਿਥਿ ਆਮਤ੍ਰਿਤ ਕਿਯਾ, ਜਹਾਂ ਅਤਿਥਿ ਗਰੀਬ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਬਚੇ ਪਢ੍ਹਤੇ ਹਨ।

ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਦੀ ਮਨ ਗਦ੍ਵਾਦ ਹੋ ਗਿਆ ਜਵਾਬ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਮੈਂ ਦੇਸ਼ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ ਤਸਾਰੀ ਔਰਤ ਰਾ਷ਟਰ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀ ਸਮਾਨ ਗੀਤਾਂ ਦੀ ਮਾਧਿਮ ਦੀ ਦੇਖਾ। ਵਾਸਤਵ ਮੈਂ ਬਚੇ ਪ੍ਰਤਿਆਸ਼ਾਲੀ ਹੈ ਯਦਿਪਿ ਵੇਂ ਅਭਾਵ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹ ਰਹੇ ਹਨ।

ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਡਾਕਟਰ ਵੀਨਾ ਕੀ ਜਹਾਂ ਏਕ ਔਰ ਭੂਰੀ ਭੂਰੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀ ਵਹਾਂ ਤੱਹੋਂ ਆਸ਼ੀਰਵਾਦ ਭੀ ਦਿਤਾ ਕਿ ਆਪ ਏਕ ਅਚਲ ਰਾ਷ਟਰ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀ ਨੰਵੀ ਭੀ ਢਾਲ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਸਦੇ ਬਚੇ ਸਨਾਤਨ ਵੈਦਿਕ ਪਦਾਰਥ ਕੀ ਗ੍ਰਹਣ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।



ਸਕੂਲ ਮੈਂ ਬਚੋਂ ਕੀ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਕਾ ਪਾਠ ਕਰਨੇ ਦੀ ਲਿਏ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਨੇ ਵਾਲੀ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ।

ਇਸ ਸਕੂਲ ਮੈਂ ਡਾਕਟਰ ਵੀਨਾ ਅਰੋਡਾ ਨੇ ਸ਼ਾਰਥ ਭਾਵ ਦੀ ਅਪਨੇ ਅਨ੍ਯ ਸਾਥੀਆਂ ਦੀ ਸਾਥ ਬੇਹਤਰ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਅਸਹਾਯ ਬਚੋਂ ਕੀ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸ਼ਾਣੀ ਬਜਾਜ ਔਰ ਆਸਾ ਗਨੀ ਕਾ ਨਾਮ ਅਗ੍ਰਣੀ ਹੈ। ਯਦਿਪਿ ਜਗਹ ਛੋਟੀ ਹੋਨੇ ਦੀ ਕਾਰਣ ਬਚੋਂ ਕੀ ਜੋ ਸੁਵਿਧਾ ਮਿਲਨੀ ਚਾਹਿਏ ਵਹ ਨਹੀਂ ਮਿਲ

ਪਾ ਰਹੀ ਹੈ ਪਰਿਤੁ ਉਸਦੇ ਬਾਬੁਜੂਦ ਸਭੀ ਏਕ ਪਰਿਵਾਰ ਦੀ ਭਾਁਤਿ ਨਿਰਵਾਹ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਅਚਲ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਦੀ ਅਤਿਰਿਕਤ ਅਧਿਆਪਕ ਗਣ ਢਾਰਾ ਬਚੋਂ ਕੀ ਸੰਸਕਾਰਵਾਨ ਭੀ ਬਨਾਵਾ ਜਾ ਰਹਾ ਹੈ। ਹਰ ਜਾਤਿ ਔਰ ਵਰਗ ਦੀ ਬਚੀਆਂ ਜੋ ਅਸਹਾਯ ਹੈ ਯਹਾਂ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਗ੍ਰਹਣ ਕਰਤਾ ਹੈ।

बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को अपनाएं: बोधराज सीकरी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब कैसरी) : नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डा. वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गदुगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डा. वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र किरण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डा. वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण ढारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय हैं यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

अमर भारती

एक उम्मीद

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात ।

► बोध राज सीकरी के आहान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। नीलकंठ स्कूल अवेंडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गदद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा।

वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी ढाल रही हैं जिससे बच्चे



सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी

चाहिए वह नहीं मिल पा रही हैं परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भौति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारण भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सभी बच्चों का यह स्कूल

सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है जबता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कपियां बांटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफॉर्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का सकल्प लिया।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पार्यानियर

स्कूली बच्चों को बोधराज सीकरी ने दिया शिक्षा, संस्कार का उपहार



गुरुग्राम के आंबेडकर नगर स्थित नीलकंठ पाठशाला में हनुमान चालीसा का बच्चों को सम्पादित करते समाजसेवी बोधराज सीकरी। पाठ किया। साथ ही प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बोधराज सीकरी बच्चों की प्रतिभा के कायल हो गए। स्कूल की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने बच्चों को कौपियां आवंटित की। उन्होंने सभी 100 बच्चों को स्कूल की एक ही यूनिफॉर्म होने का सुझाव भी दिया। साथ ही घोषणा की कि दो-दो ड्रेस प्रति छात्र वे अपने खर्च पर बच्चों को देंगे। बोधराज सीकरी ने कहा कि इस स्कूल में अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा तो उन्होंने बच्चों की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं। वे अभाव में पढ़ रहे हैं, लेकिन प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सीकरी ने डॉक्टर वीना की प्रशंसा की और कहा कि वे एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव डाल रही हैं। बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। डॉक्टर वीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं। शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं।

भारत सारथी

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

बोध राज सीकरी के आहवान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

भारत सारथी

गुरुग्राम। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि अमरित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे जहुते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्दद ही गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशीम की उमंग और राष्ट्र के प्रति समान गीतों के माध्यम से देखा। बास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अपने घर में पह रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना को जहाँ एक और भी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी ढाल रही हैं जिससे बच्चे समाज बींदक पर्याप्ति को ग्रहण कर रहे हैं।

इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःख्यर्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बैठक शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अगाधी है। यद्यपि जगत् छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा पिली चाहिए, वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भौति निर्वाचित कर रहे हैं। अन्यथा के अतिरिक्त अत्यापकरण द्वारा बच्चों को संस्कारण भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण



करता है। लगभग सभी बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोकान कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरात उन्हें कापिया बांटा। उन्होंने सभी सी के

सी बच्चों को स्कूल की एक शून्यपाल होने का सुझाव दिया और दो-दो हँस देने के लिए सारा खर्च पाठ करने का वायदा भी किया।

धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगीनी श्रीमती ज्योतिसना बजाज भी आहवान पर बच्चों ने हनुमान समय-समय पर सहयोग करते रहते चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन हैं।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज़

मिलानी, चंडीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

10:38 PM ✓

हरियाणा की आवाज़

स्कूली बच्चों को बोधराज सीकरी ने दिया शिक्षा, संस्कार का उपहार

सुविधाओं के अभाव में भी प्रतिभा के कायल हुए बोधराज सीकरी

गुरुग्राम(राकेश)। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने अबेडकर नगर स्थित नीलकंठ पाठशाला मुफ्त शिक्षा केंद्र पहुंचकर बच्चों को शिक्षा और संस्कारों का उपहार दिया। उनके आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बोधराज सीकरी बच्चों की प्रतिभा के कायल हो गए। स्कूल की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने बच्चों को कौपियां आवर्तित की। उन्होंने सभी 100 बच्चों को स्कूल की एक ही यूनिफॉर्म होने का सुझाव भी दिया। साथ ही घोषणा की कि दो-दो डेस प्रति छात्र वे अपने खर्च पर बच्चों को देंगे। बोधराज सीकरी ने कहा कि इस स्कूल में अल्पतं गरीब परिवर्तों के बच्चे पढ़ते हैं। बच्चों में देशप्रेम की उमंग और गाढ़ के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा तो उन्होंने बच्चों की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं। वे अभाव में पढ़ रहे हैं, लेकिन प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सीकरी ने डॉक्टर वीना की प्रशंसा की और कहा कि वे एक अच्छे गाढ़ निर्माण की नींव डाल रही हैं। बच्चे सनातन वैदिक



प्रशंसा को ग्रहण कर रहे हैं।

डॉक्टर वीना अरोड़ा निष्पत्ति भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं। शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त

अध्यापकों द्वारा बच्चों को संस्कारावान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है, यहां शिक्षा ग्रहण करता है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों
की सौगत : बोधराज सीकरी



बोध राज सीकरी के आव्हान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन

गदगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियां बाँटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।

जगत क्रान्ति

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगत

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डा. वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्द हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डा. वीना की जहाँ एक और भरी भरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डा. वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा



मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बाबजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है। बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियां बाँटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों

को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोध राज सीकरी के आङ्गन पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रत्येक दिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगीनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

आपन सर्

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समाप्ति के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया

ओपन सर्व/ विशेष संवादाता
सतीश भारद्वाज

मुख्यमन्त्री। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर मुकाम की संरक्षिता द्वारा बोध अंहें ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बोधराज मुकाम अंतिम अवस्था किया, जहाँ अपेक्षित गणकार्य के बच्चे उपहारों हैं। बोधराज सीकरी का मन गहरा ही गहरा जब उन्होंने उन बच्चों में देशभक्ति की ऊंचाई और राष्ट्र के प्रति समर्पण नीति के धाराघास से देखा। बालसंवाद में बच्चे प्रतिशोधात्मक है गदापि ये अवसर में पढ़ रहे हैं। सीकरी ने द्वारका गंगा को बहाए एक और भूमि भूमि प्रसंग को बहाए उन्हें अंहें बोधराज भी दिया कि अप एक



का नाम अंहें है। बोधराज एवं उन्हें दोनों के काले बच्चों को जूनियर मिलने चाहिए वह नहीं मिल पाया रही है। परन्तु उनके बवालद्वारा सभी एक एक शिक्षा की भूमि निर्माण कर रहे हैं। अंहीं शिक्षा के अविवित अविष्यकता अवधारणा द्वारा बच्चों की संस्कारण की बदलत जा रही है। हर जड़ी और पर्याप्त का बदल जो असदाय है यहाँ शिक्षा प्राप्त करता है। लगभग ही बच्चों का यह स्कूल संवादाता से अद्वितीय रूप दीक्षित कर रहा है। बात दें कि बोधराज सीकरी ने यहाँ बच्चों को प्रेरणादायक भावाव दिया और उसके उपरान्त उन्हें कार्यिया चली। उन्होंने सभी बच्चे के रहे बच्चों को स्कूल की एक बुनरखरखी होने का सुझाव दिया और दो-दो दृष्ट देने के लिए यहाँ शुरू लगन करने का संकल्प लिया।

रही हैं जिसमें बच्चे सवान बैंडक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में द्वारका गंगा अंहें कि स्वर्व भाव से अपने अन्य सहायियों के साथ बैठत शिक्षा अमलाय सबन्हों को दे रही हैं। जिनमें शशि बलवाज और आसा राहे

गुड़ांव टुडे

नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगत

- वोध राज सीकरी के आङ्हान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा।
- प्रतिदिन रकूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

गुड़ांव टुडे, गुरुग्राम

आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिता का डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी वोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बताए मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। वोधराज सीकरी का मन



संस्कारण भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि वोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरोक्त उन्हें कापिया थांटी। उन्होंने सभी सी के सी बच्चों को स्कूल की एक यात्रियां होने का सुझाव दिया और दो-दो डेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का संकल्प लिया।

इस द्वितीय वोध राज सीकरी के आङ्हान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगीनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

ज्योति दर्पण

हिन्दी देविका

Website : www.jyotidarpan.com

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात



गुरुवार: शात नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुवार की संसोधित छात्रावाहिका में जाने गए समाजसेवी बोधराज सीकरी ने अपने स्कूल में बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी का एक गहरा असर हुआ। आपने बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी का एक गहरा असर हुआ।

बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी।

इस स्कूल में बोधराज सीकरी की उम्र और लकड़ी के छोटी सम्मान गोत्रों के बापामाम से देखा। बद्ध रूप से

बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी।

बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी।

बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी। इस अवसरे पर बोधराज सीकरी को जाने वाले बच्चों को बद्ध रूप से बधाई दी।

05

रविवार 02 अप्रैल 2023

दाज्यों से

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगत

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक शानिवार को नीलकंठ स्कूल अवैडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर बीना अरोड़ा ने जाने मारे समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया। जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्दा हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशभ्रम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। बालवाव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अध्यात्म में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर बीना को जहाँ एक और भूरी प्रशंसा की बहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पर्याति को ग्रहण कर रहे हैं।

इस स्कूल में डॉक्टर बीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा गानी का नाम



अग्रणी हैं। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके

बाबजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकाण द्वारा बच्चों को संस्कारण भी बनाया जा रहा है। इर जाति और वर्ग का बच्चा जो असाधार है वहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सभी बच्चों का यह स्कूल सेवावाल से अपना नाम रोशन कर रहा है। बता दें कि बोधराज सीकरी ने एहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरान्त उन्हें कार्यालय बौद्धि। उन्होंने सभी सी के सी बच्चों को स्कूल की एक यूनिफॉर्म हाने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समाप्ति के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेन्द्र बजाज और उनकी जीवन सीमी ज्योतिरना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सोगात

● बोधराज सीकरी के आहवान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समाप्ति के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

ह्यूमन इंडिया/व्यूरो

गुरुग्राम। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर बीना अरोड़ा ने जाने-माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अलंतं गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्दद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर बीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन बैदिक



पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर बीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त

अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारण का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोध राज सीकरी के आहवान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियां बाँटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक

यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च बहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोध राज सीकरी के आहवान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समाप्ति के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी श्रीमती ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।



समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगत



बोध राज सीकरी के आहान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वापसी भी किया।

जुकामा आम गीतेकठ लूटू अंबेडकर नगर जुकामा तो लालोनीका डोडाट तीन अटोटा ने जाने जाने लालोनीकी बोधराज लालोटी को अपने लूटू के बाहर नुदूर अपितु आमचित निज, नहीं असात नाही खिंचत के बाबी यादू है। लोधात लीकाटी का जान नाहु दो लाया जाय उण्होंने उन तारों में देक्हेंग तीव्र उमग औट राद के प्रति लालोन नीडों के बाबाया से देक्हा लालोन में वारों प्रतिसारलो है यादा त अलूल में पढ़ दहू है। लीकाटी के डोडाट लीका की याहु एक और लहु भूमी प्राणला की बहु उमे आहाराव भी लिला लिः आप एक जाए राधू लिलाण तीर जीर भी इक्क दहू है जिसके बारों लालोन लोटेक पदावी को बद्धा कर दहू है।

इत लूटूले ने डोडाट तीव्र अटोटा लिलार्व भाव तो अपने अल्य ल्लिलो के साथ देहर लिले असाता लालो तो दे दहू है निलोने शाही लालोन औट आक टांडी का नान अवारी है। यादी जगह ऐटी हुने के बाबाया यादो को जो सुकिंच लिलाली पालीए दहू नाहु लिले पा दहू है परनु उक्को लालोन लालो एक परिवार की नवीनि लिलार्व कर दहू है। अटोटी लिल के अटीटिट अपायकाणा दुकाव बालों की लालोनाला नी बालाना जा दहू है। हट जाति और कर्व का बाला नी अवहुन है याहु लिला बहुन करता है। लालोन ती बालो का गह लूटू लोगालत ले अपना जान दोहता कर दहू है।





Home > Bodhraj sikri > समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात।

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात।

ajeybharat Saturday, April 01, 2023





GURUGRAM

Bodh Raj Sikri से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारी और उपहारों की सौगात।



VIRAL SACH

April 2, 2023

No Comments

6

0



1 minute read

Viral Sach : आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की स्थायीजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पहुंचे हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्दद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उम्रग्रन्थ और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभासाती हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ पक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उह आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी ढात रहाँ हैं जिससे बच्चे सनातन बैंटिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं।



इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साधियों के साथ बैहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दें रही हैं जिनमें शाशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भीति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। इर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है पहाँ शिक्षा प्रदान करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।